दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

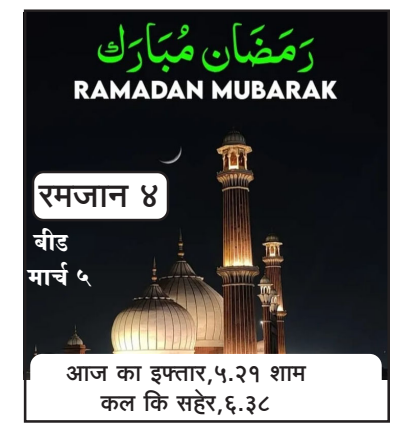

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२१२ वा | बुधवार ५ मार्च २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

'देर आयद दुरुस्त आयद' धनंजय मुंडे के इस्तीफे पर पंकजा मुंडे कि प्रतिक्रिया

विपक्ष ने सह-आरोपी बनाने की मांग उठाई

मुंबई: जमीर काजी

लगभग तीन महीने से विपक्ष और सत्ता पक्ष के विधायकों के निशाने पर रहे विवादित मंत्री धनंजय मुंडे ने आखिरकार मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि उन्होंने मुंडे का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और उसे राज्यपाल के पास भेज दिया गया है।

सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के बाद शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों के चलते विपक्ष को एक बड़ी जीत मिली है, लेकिन अब वे हत्या मामले में धनंजय मुंडे को सह-आरोपी बनाए जाने की मांग कर रहे हैं।

धनंजय मुंडे ने अपने ट्वीट में लिखा कि उन्होंने सदविवेक बुद्धि से और स्वास्थ्य कारणों के चलते इस्तीफा दिया है। हालांकि, इस पूरे मामले में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो ने भारी आक्रोश पैदा कर दिया था, जिसमें यह दिखाया गया कि संतोष देशमुख को पीटने के बाद, जब उन्होंने पानी मांगा, तो आरोपियों ने उनके मुंह पर पेशाब कर दिया था।

सोमवार रात मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निवास स्थान पहुंचे थे, जहां धनंजय मुंडे को बुलाकर उनसे इस्तीफा देने को कहा गया। इसके बाद उन्होंने रात में ही अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री को सौंप दिया। मंगलवार सुबह विधानभवन पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री फडणवीस ने पत्रकारों को इस बारे में जानकारी दी।

नैतिकता के आधार पर इस्तीफा: अजित पवार

धनंजय मुंडे के इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष अजित पवार ने कहा कि, उन्होंने नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दिया है, अब पुलिस जांच के अनुसार आगे की कार्रवाई होगी।

एनसीपी नेता छगन भुजबळ ने कहा, पार्टी की यही नीति थी कि किसी भी गैरकानूनी कृत्य का समर्थन नहीं किया जाएगा।

सरकार बर्खास्त होनी चाहिए: आदित्य ठाकरे

शिवसेना (ठाकरे गुट) के नेता आदित्य ठाकरे ने सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा, यह सरकार संवेदनहीन हो गई है, इसे बर्खास्त कर देना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि, मुख्यमंत्री फडणवीस ने अजित पवार को क्यों नहीं बुलाया? यह राजीनामा मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के आवास पर बातचीत के बाद हुआ, यह दर्शाता है कि मामला कितना गंभीर था।

यह सरकार पाषाणहृदय है - जितेंद्र आव्हाड

एनसीपी नेता जितेंद्र आव्हाड मंगलवार को विधानभवन में प्रतीकात्मक पत्थर लेकर पहुंचे और कहा, यह सरकार पाषाणहृदय (पत्थर दिल) है, इसलिए मैं यह पत्थर लेकर आया हूं।

गोपीनाथ मुंडे होते तो चाबुक से मारते - रोहित पवार

शरद पवार गुट के नेता रोहित पवार ने कहा कि सिर्फ राजीनामा देना पर्याप्त नहीं है, धनंजय मुंडे को सह-आरोपी भी बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, अगर आज दिवंगत गोपीनाथ मुंडे होते, तो उन्होंने चाबुक से धनंजय मुंडे की पिटाई कर दी होती।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि, संभवतः दो महीने पहले ही मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को इस जघन्य कृत्य के सबूत मिल चुके थे, लेकिन फिर भी उन्होंने तुरंत कार्रवाई नहीं की। क्या उनके पास संवेदनाएं नहीं बची हैं?

मुख्यमंत्री के खिलाफ लाएंगे हक्कभंग प्रस्ताव - नाना पटोले

कांग्रेस नेता नाना पटोले ने कहा कि मुख्यमंत्री को पहले विधानमंडल में इस्तीफे की जानकारी देनी चाहिए थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि बुधवार को वे मुख्यमंत्री के खिलाफ हक्कभंग (विशेषाधिकार हनन) प्रस्ताव लाने वाले हैं।

देर आयद दुरुस्त आयद

ये फारसी कहावत के साथ मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा कि

धनंजय मुंडे को मंत्रीपद नहीं लेना चाहिए था -

उन्होंने इस मामले पर आगे कहा कि धनंजय मुंडे को बहुत पहले इस्तीफा दे देना चाहिए था, या फिर मंत्रीपद ही नहीं स्वीकार करना चाहिए था।

उन्होंने यह भी कहा कि, सरपंच संतोष देशमुख की हत्या जिस तरीके से हुई, वह निंदनीय है। मैं उनके परिवार से माफी मांगती हूं।

पंकजा मुंडे से ट्रम्प-गाजा पर सवाल पूछें - सुरेश धस

बीजेपी विधायक सुरेश धस ने पंकजा मुंडे पर निशाना साधते हुए कहा, पंकजा मुंडे का बीड जिले से कोई लेना-देना नहीं है। वे अंतरराष्ट्रीय नेता बन गई हैं। उनसे ट्रम्प और गाजा संघर्ष पर सवाल पूछे जाने चाहिए।

८६ दिनों का संघर्ष और वायरल हुए भयावह फोटो

९ दिसंबर २०२४ को मस्साजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या कर दी गई थी।

इस घटना का असर महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भी देखा गया था।

अब बजट सत्र शुरू होने से पहले सोशल मीडिया पर इस जघन्य हत्या के कुछ फोटो वायरल हुए, जिसमें क्रूरता की सारी हदें पार की गई थीं।

इन तस्वीरों को लेकर विपक्ष ने धनंजय मुंडे का इस्तीफा मांगा और विधानसभा का कार्य ठप करने की चेतावनी दी।

आगे की कार्रवाई क्या होगी?

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या धनंजय मुंडे को हत्या केस में सह-आरोपी बनाया जाएगा? विपक्ष इस मांग को लेकर आक्रामक बना हुआ है, और आने वाले दिनों में यह मामला और तूल पकड़ सकता है।

बीड़ पूरी तरह बंद

सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड के विरोध में स्वतःस्फूर्त बंद, बाजार और दुकानें रही बंद

बीड़, ४ मार्च (प्रतिनिधि) - सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड से जुड़े खौफनाक तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद बीड़ जिले में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सोमवार (३ मार्च) देर रात बीड़ जिले में बंद का आह्वान किया गया था, जिसके बाद मंगलवार (४ मार्च) सुबह से ही बीड़ शहर की मुख्य बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा।

बंद में व्यापारियों की स्वतःस्फूर्त भागीदारी

बीड़ शहर के सबसे प्रमुख बाजार सुभाष रोड पर एक भी दुकानें नहीं खुलीं। भले ही बंद की घोषणा रात में की गई थी, लेकिन व्यापारियों ने स्वतःस्फूर्त रूप से इस बंद में हिस्सा लिया।

हत्या के वायरल फोटो से बढ़ा आक्रोश

सरपंच संतोष देशमुख को अपहरण कर निर्दयता से हत्या कर दी गई थी। वाल्मिक कराड गैंग ने उन्हें बर्बर तरीके से प्रताड़ित कर मारा, जिसके फोटो और वीडियो उखऊ की चार्जशीट में सामने आए। इन भयावह तस्वीरों के सोशल मीडिया पर वायरल होते ही जिले में भारी आक्रोश फैल गया। नागरिकों ने कड़ी कार्रवाई की मांग की इस जघन्य हत्या के विरोध में बीड़ जिले में व्यापक बंद का आह्वान किया गया, जिसके कारण शहर के बाजारों में पूरी तरह सन्नाटा पसरा रहा। आमतौर पर सुबह से दुकानें खोलने की हलचल देखने को मिलती है, लेकिन इस बंद के चलते बाजार पूरी तरह ठप रहे। आक्रोशित नागरिकों ने सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की। बंद के दौरान संतोष देशमुख के हत्यारों पर कठोर कार्रवाई की मांग लगातार उठ रही है।

देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने सत्ता में बने रहने का नैतिक अधिकार खो दिया-हर्षवर्धन सपकाल

सिर्फ धनंजय मुंडे के इस्तीफे से सरकार जिम्मेदारी से नहीं बच सकती-कांग्रेस

मुंबई, ४ मार्च (अज़ीज़ अइजाज़) - मृतक सरपंच संतोष देशमुख की हत्या में क्रूरता की सारी हदें पार कर दी गईं, जो मानवता के लिए शर्मनाक है। इस दर्दनाक घटना की तस्वीरें सामने आते ही महाराष्ट्र भर में आक्रोश फैल गया।

पुलिस और सरकार के पास इस जघन्य अपराध के अविवादित सबूत होने के बावजूद, धनंजय मुंडे को बचाने की कोशिश की गई, जिससे सरकार की भूमिका पर गंभीर सवाल उठते हैं। इस रवैये ने महाराष्ट्र की छवि को धूमिल कर दिया है, और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने सत्ता में बने रहने का नैतिक अधिकार खो दिया है। उन्हें तुरंत इस्तीफा देना चाहिए, यह मांग महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हरशवर्धन सपकाल ने की है।

सिर्फ धनंजय मुंडे का इस्तीफा काफी नहीं - हरशवर्धन सपकाल

कांग्रेस नेता हरशवर्धन सपकाल ने कहा कि सिर्फ धनंजय मुंडे के इस्तीफे से सरकार अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती। असली सवाल यह है कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने उन्हें बर्खास्त क्यों नहीं किया?

उन्होंने आरोप लगाया कि इस नृशंस हत्या से जुड़े सभी सबूत शुरू से ही पुलिस और सरकार के पास थे, फिर भी दो महीने तक मुंडे को बचाने की कोशिश की गई। यह गंभीर मामला दर्शाता है कि अपराधियों को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ था और हत्या के मामले को दबाने की कोशिश की जा रही थी।

अगर मीडिया का दबाव नहीं होता तो सरकार इस मामले को दबा देती

सपकाल ने कहा कि देशमुख परिवार की लंबी लड़ाई और मीडिया के भारी दबाव के कारण सच्चाई सामने आई, वरना सरकार इसे पूरी तरह दबा चुकी होती। अब सरकार खुद को बचाने के लिए धनंजय मुंडे के इस्तीफे को ढाल बना रही है, लेकिन इससे मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी खत्म नहीं होती।

जनता के सामने सच्चाई आ चुकी है, अब मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को जाना होगा

उन्होंने कहा कि अब जनता सब कुछ जान चुकी है, इसलिए देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार को सत्ता से हट जाना चाहिए। विपक्ष इस मुद्दे को लेकर आक्रामक रुख अपनाए हुए है और सरकार पर दबाव बना रहा है कि वह अपनी जवाबदेही तय करे।

चार साल पुराने हत्या मामले के दो फरार आरोपी गिरफ्तार

दुपहिया वाहन चोर को भी लोकल क्राइम ब्रांच ने दबोचा

अंबाजोगाई, ४ मार्च (प्रतिनिधि) - चार साल पहले हुई हत्या के दो फरार आरोपी और अंबाजोगाई, बीड तथा लातूर जिलों में १९ मोटरसाइकिल चोरी के मामलों में वांछित आरोपी को परली में छिपे होने की सूचना पुलिस को मिली। इसके बाद लोकल क्राइम ब्रांच ने ४ मार्च की सुबह एक विशेष जाल बिछाकर तीनों को गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों को अंबाजोगाई शहर पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

क्या था मामला?

३१ अगस्त २०२१ को दिलीप अभिमान धोत्रे (निवासी अंबाजोगाई) ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी कि सूअर क्यों मारा? इस मामूली विवाद को लेकर ११ लोगों ने उनके भाई रवी अभिमान धोत्रे की चाकू और खंजर से हत्या कर दी थी। इस हत्याकांड के कुछ आरोपी फरार हो गए थे।

कैसे हुई गिरफ्तारी?

लोकल क्राइम ब्रांच को मिली गुप्त सूचना के आधार पर परली में एक जाल बिछाया गया और हत्या के दो फरार आरोपी तेजसिंह उर्फ तेजेश शेरसिंह गोके (३५ वर्ष) और पुनमसिंह तारासिंह टाक (४० वर्ष), दोनों निवासी अंबाजोगाई को गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही १९ मोटरसाइकिल चोरी के मामलों में फरार आरोपी रोशनसिंह यशपालसिंह उर्फ रिशपालसिंह टाक (२० वर्ष), निवासी अंबाजोगाई को भी हिरासत में लिया गया।

पुलिस की कार्रवाई

इस गुप्त अभियान का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक नवनीत काँवत, अपर पुलिस अधीक्षक चेतना तिडके और लोकल क्राइम ब्रांच के पुलिस निरीक्षक उस्मान शेख ने किया। इस ऑपरेशन में पुलिस उपनिरीक्षक सुशांत, हवलदार मारोती कांबले, विकास राठौड़, बाळकृष्ण जायभाये, विष्णू सानप, राजू पठाण, मनोज जोगदंड, पुलिस कांस्टेबल बप्पासाहेब घोडके, चालक नितिन वडमारे और गणेश मराडे शामिल थे। पुलिस अब इन आरोपियों से पूछताछ कर रही है और हत्या व चोरी से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

वाल्मिक कराड समेत सभी आरोपियों को फांसी दो-विधायक संदीप क्षीरसागर

मुंबई, ४ मार्च - धनंजय मुंडे का इस्तीफा लिया जाए, यह हमारी मांग थी जब से यह मामला सामने आया था, और अब यह मांग पूरी हो गई है। लेकिन यह भी सच है कि वाल्मिक कराड अकेला इतना बड़ा नहीं था कि उस पर मामला दर्ज करने में इतना समय लग जाए।

प्रशासनिक अधिकारी उसी के कहने पर काम कर रहे थे, और इसके पीछे निश्चित रूप से धनंजय मुंडे की राजनीतिक शक्ति थी। इसलिए धनंजय मुंडे का इस्तीफा आवश्यक हो गया था, यह बात विधायक संदीप क्षीरसागर ने कही है।

चार्जशीट में सामने आए दिल दहला देने वाले सबूत

विधायक संदीप क्षीरसागर ने कहा कि हाल ही में जांच एजेंसियों द्वारा दाखिल चार्जशीट में संतोष देशमुख की पिटाई के जो फोटो और वीडियो सामने आए हैं, वे बेहद हृदयविदारक हैं।

उन्होंने कहा, ऐसे दृश्य देखकर इंसानियत भी शर्मसार हो जाती है। पूरे महाराष्ट्र की जनता की आंखों में यह फोटो और वीडियो देखकर आंसू आ गए। यह घटना इतनी क्रूर और घिनौनी थी कि इसे अंजाम देने वाले अपराधी इंसानियत पर लगे बदनुमा दाग हैं।

सभी आरोपियों को फांसी दी जाए विधायक क्षीरसागर ने कड़ी मांग करते हुए कहा कि इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी वाल्मिक कराड समेत सभी हत्यारों को जल्द से जल्द फांसी दी जानी चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि अगर यह सच है कि फिरौती को लेकर मंत्री धनंजय मुंडे के सरकारी बंगले पर बैठक हुई थी और खुद धनंजय मुंडे भी वहां मौजूद थे, तो इसकी गहन जांच की जाए।

धनंजय मुंडे को भी सह-आरोपी बनाया जाए विधायक ने मांग की कि यदि जांच में यह साबित होता है कि धनंजय मुंडे भी इस षड्यंत्र में शामिल थे, तो उन्हें भी इस मामले में सह-आरोपी बनाया जाना चाहिए।सरकार पर बढ़ा दबाव

इस मांग के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आ गया है, और अब सरकार पर इस मामले में सख्त कार्रवाई करने का दबाव बढ़ गया है।

मुख्यमंत्री फडणवीस के खिलाफ लाया जाएगा विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव-नाना पटोले

विधानसभा को जानकारी दिए बिना मीडिया को धनंजय मुंडे के इस्तीफे की सूचना देना सदन का अपमान

मुंबई, ४ मार्च - महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नाना पटोले ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने संतोष देशमुख हत्याकांड की जानकारी छिपाई और अब धनंजय मुंडे के इस्तीफे की सूचना भी पहले मीडिया को दे दी, जो कि विधानसभा की अवमानना है।

पटोले ने चेतावनी दी कि कल मुख्यमंत्री फडणवीस के खिलाफ विशेषाधिकार हनन (हक्कभंग) प्रस्ताव लाया जाएगा।

सरपंच हत्या कांड की जानकारी मुख्यमंत्री ने छिपाई

विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान नाना पटोले ने सवाल उठाया कि बीड़ जिले के मस्साजोग गांव में सरपंच संतोष देशमुख की नृशंस हत्या हुई, क्या इसकी कोई जानकारी गृह मंत्रालय के पास नहीं थी?

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री फडणवीस इस हत्या की जानकारी छिपाते रहे और अब बिना सदन को सूचित किए सीधे मीडिया को धनंजय मुंडे के इस्तीफे की खबर दे दी।

पटोले ने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रोटोकॉल की अनदेखी कर आधी रात को उपमुख्यमंत्री अजित पवार के सरकारी आवास पर बैठक की और उसी बैठक के बाद धनंजय मुंडे का इस्तीफा सामने आया।

सरकार को भी बनाया जाए सह-आरोपी पटोले ने आरोप लगाया कि सरपंच हत्या कांड में वाल्मिक कराड समेत अन्य आरोपी शामिल हैं, लेकिन सरकार ने इस मामले को दबाने की कोशिश की। इसलिए सिर्फ धनंजय मुंडे ही नहीं, बल्कि राज्य सरकार को भी सह-आरोपी बनाया जाना चाहिए।

नागपुर शीतकालीन सत्र में मुख्यमंत्री ने दी गलत जानकारी

पटोले ने यह भी आरोप लगाया कि नागपुर के शीतकालीन सत्र में भी मुख्यमंत्री ने सदन और जनता को गलत जानकारी देकर गुमराह किया।

अकसर सदन की कार्यवाही बाधित कर रही सरकार

औरंगजेब विवाद पर बोलते हुए पटोले ने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन सरकार ही अपनी बहुमत की ताकत का इस्तेमाल कर कार्यवाही बाधित कर रही है, जो जनता के पैसे की बर्बादी है।

उन्होंने आगे कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले प्रशांत कोर्टकर के खिलाफ सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। बल्कि, जो लोग शिवाजी महाराज का अपमान कर रहे हैं, वे ही सरकार के मंत्रीमंडल में शामिल हैं।

महापुरुषों का अपमान करने वालों पर हो सख्त कार्रवाई

पटोले ने मांग की कि जो भी ऐतिहासिक महापुरुषों का अपमान करता है, उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। सरकार को इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़नी होगी।

क्या भास्कर जाधव होंगे विधानसभा में अगले विपक्ष के नेता?

ठाकरे गुट ने विधानसभा अध्यक्ष को भेजा पत्र, फैसला अब स्पीकर पर निर्भर

मुंबई, ४ मार्च (अज़ीज़ अइजाज़) - शिवसेना (यूबीटी) ने १५वीं महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) के खाली पद के लिए भास्कर जाधव के नाम की सिफारिश की है। इस संबंध में ठाकरे गुट ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को एक पत्र सौंपा है, जिस पर जल्द ही निर्णय की उम्मीद की जा रही है।

कैसे खाली रहा विपक्ष का पद?

नवंबर २०२४ में हुए विधानसभा चुनावों के बाद १५वीं महाराष्ट्र विधानसभा का गठन हुआ था, लेकिन विपक्ष के नेता का पद अब तक खाली था। इसकी वजह यह बताई गई थी कि किसी भी विपक्षी दल के पास कुल सीटों का १०% यानी २८ सीटें नहीं थीं। हालांकि, बाद में विधान भवन सचिवालय ने स्पष्ट किया कि १०% सीटों का कोई नियम नहीं है, जिसके बाद विपक्ष के नेता पद के लिए कवायद शुरू हो गई।

भास्कर जाधव का नाम कैसे तय हुआ?

२८ फरवरी को बजट सत्र से पहले उद्धव ठाकरे ने अपने सभी विधायकों की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में सर्वसम्मति से ठाकरे को यह अधिकार दिया गया कि वे विपक्ष के नेता पद के लिए नाम तय करें। इसके बाद ठाकरे ने अपने हस्ताक्षर के साथ भास्कर जाधव के नाम की सिफारिश करते हुए विधानसभा अध्यक्ष को पत्र भेज दिया। भास्कर जाधव का राजनीतिक अनुभव

भास्कर जाधव को विधानसभा के कामकाज का व्यापक अनुभव है। वे २०२४ के विधानसभा चुनावों में गुहागर सीट से चुने गए थे। एक गंभीर और अध्ययनशील विधायक के रूप में पहचाने जाने वाले जाधव ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत शिवसेना से की थी।

१९९५ और १९९९ में लगातार दो बार चिपलून विधानसभा सीट से विधायक चुने गए।

२००४ में चुनाव हार गए, लेकिन २००९ में एनसीपी के टिकट पर गुहागर से जीत दर्ज की।

कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन सरकार में वे राज्य मंत्री भी रहे।

२०१९ के विधानसभा चुनावों से पहले वे फिर से शिवसेना में लौट आए। उन्होंने विपक्ष में रहते हुए पार्टी का रुख मजबूती से रखा।

अब यह देखना होगा कि विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर इस पर क्या फैसला लेते हैं। यदि वे ठाकरे गुट की सिफारिश को स्वीकार करते हैं, तो भास्कर जाधव अगले नेता प्रतिपक्ष बन सकते हैं।

चीन, मैक्सिको और कनाडा के बाद अब भारत पर डोनाल्ड ट्रंप की पैनी नजर

दिल्लीः संवादाता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ट्रेड पॉलिसी पर सख्त रुख अपनाते हुए मैक्सिको और कनाडा से होने वाले इंपोर्ट पर २५ फीसदी टैरिफ लगाने की पुष्टि कर दी है. इसके अलावा, चीन पर भी अतिरिक्त १० फीसदी टैरिफ लगा दिया गया है, जिससे व्यापारिक तनाव और बढ़ गया है.

ट्रंप प्रशासन ने पहले ही स्टील और एल्यूमिनियम जैसे कई उत्पादों पर २५ फीसदी तक का टैरिफ लगा दिया था. अब नए टैरिफ से ९१८ बिलियन डॉलर के इंपोर्ट प्रभावित होंगे. इस फैसले के बाद ग्लोबल मार्केट में तेज़ गिरावट देखी गई है. ट्रंप ने यह भी संकेत दिया है कि अमेरिका जल्द ही यूरोपीय यूनियन (एण), ऑटोमोबाइल, फार्मास्युटिकल और सेमीकंडक्टर के इंपोर्ट पर भी टैरिफ लगा सकता है.

भारत भी हो सकता है प्रभावित अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में

अमेरिकी किसानों से घरेलू बाज़ार में अधिक उत्पादन करने को कहा है. उन्होंने साफ किया कि २ अप्रैल से आयातित उत्पादों पर भारी टैरिफ लगाया जाएगा. इसी बीच अमेरिका, भारत पर कृषि उत्पादों पर टैरिफ घटाने का दबाव बढ़ रहा है. हालांकि, भारत ने तर्क दिया है कि ऐसा करने से करोड़ों गरीब किसानों की आजीविका पर असर पड़ेगा. हाल ही में, ट्रेड टेंशन के बीच केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अमेरिका दौरे पर हैं. खबरों के मुताबिक, वे अमेरिका के संभावित रिसीप्रोकल टैरिफ को लेकर बातचीत कर सकते हैं.

भारत पर टैरिफ का असर किन सेक्टर्स पर पड़ेगा?

द मिंट की रिपोर्ट के अनुसार, अगर ट्रंप प्रशासन भारत पर कड़े टैरिफ लगाता है, तो ये तीन क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं. इसमें पहला सेक्टर पेट्रोकेमिकल्स और फार्मास्युटिकल होगा. ये भारत के प्रमुख निर्यात सेक्टर हैं और अमेरिका में इनकी बड़ी मांग है. दूसरा सेक्टर है इलेक्ट्रॉनिक्स और मेडिकल उपकरण. इन पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने से भारत के निर्यात पर असर पड़ेगा. वहीं, तीसरा सेक्टर है ऑटोमोबाइल और एत सेक्टर. भारत की नई एत नीति टेस्ला जैसी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए बनाई जा रही है, लेकिन अमेरिकी टैरिफ से इस योजना को झटका लग सकता है.

भारत को कितना नुकसान होगा?

भारत का अमेरिका के साथ व्यापार सरप्लस ३५ बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है, जो भारत की जीडीपी का १ फीसदी है. अगर टैरिफ बढ़ता है, तो यह सरप्लस कम हो सकता है, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ेगा. हालांकि, डझ ग्लोबल रेटिंग्स का कहना है कि भारत की अर्थव्यवस्था घरेलू मांग पर आधारित है, इसलिए टैरिफ का प्रभाव सीमित रहेगा. लेकिन अगर अमेरिका ने सख्त कदम उठाए, तो भारत को भी जवाबी कार्रवाई करनी पड़ सकती है.

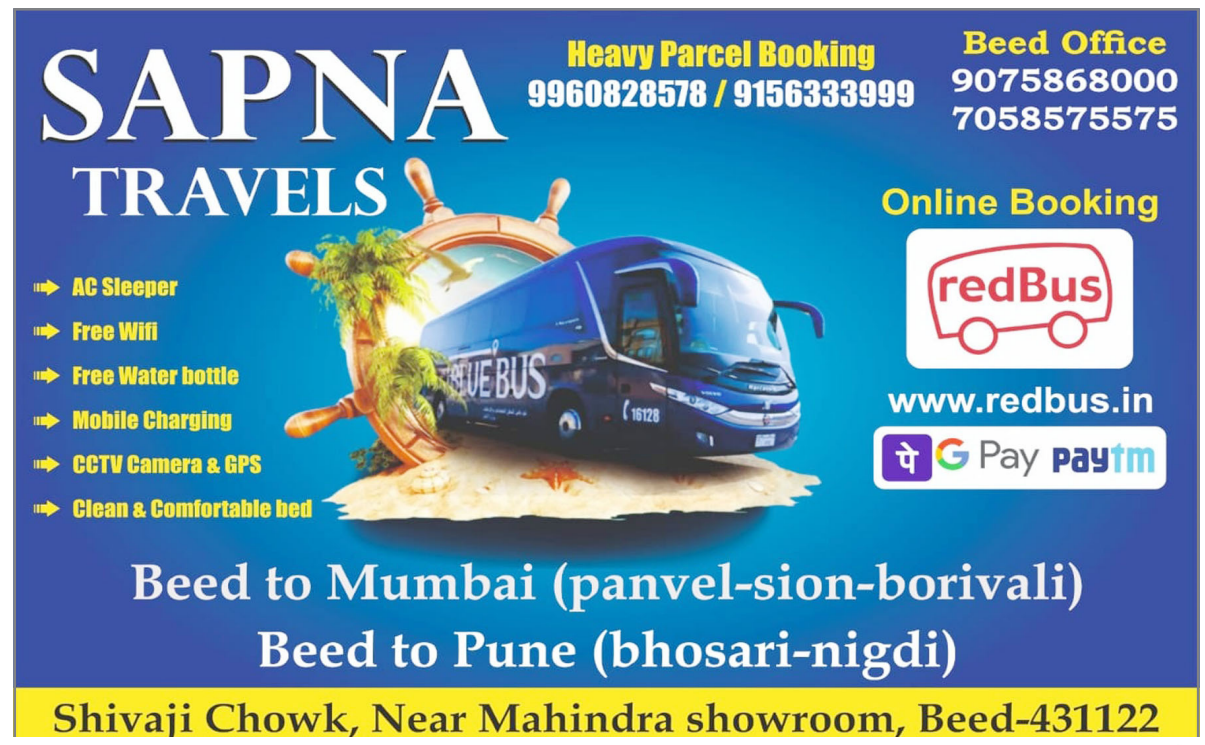

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com